वन घोषणा आकलन 2022

प्रलिमि्स के लयि:

COP-26, वनों की कटाई, भारतीय वन नीति, 1952, वन संरक्षण अधनियिम, 1980।

मेन्स के लयि:

वन घोषणा आकलन 2022 के नष्किर्ष और सफिारशें।

चर्चा में क्यों?

हाल ही में वन घोषणा आकलन 2022 को प्रकाशति कयिा गया, जसिमें दर्शाया गया है कि वर्ष 2018-20 आधार वर्ष की तुलना में दुनयिा भर में वनों की कटाई की दर में केवल वर्ष 2021 में 6.3% की गरिावट आई है।

- कुल 145 देशों ने ग्लासगो (वर्ष 2021) में पार्टयिों के 26वें संयुक्त राष्ट्र जलवायु परविर्तन सम्मेलन (COP26) में वर्ष 2030 तक वन हानि और भूमि क्षरण को रोकने तथा पुनर्प्राप्ति की अपनी प्रतबिद्धता की पुष्टि की।
- वन घोषणा आकलन वैश्वकि वन लक्ष्यों की दशिा में प्रगति पर वार्षकि अद्यतन प्रकाशति करता है।
  - वर्ष 2014 में वनों पर न्यूयॉर्क घोषणा (NYDF) को एक राजनीतकि घोषणा के रूप में अपनाया गया था जसिमें प्राकृतकि वन हानि को रोकने और वर्ष 2030 तक 350 मलियिन हेक्टेयर परदृिश्य एवं वनभूमि की बहाली का आह्वान कयिा गया था।

प्रमुख बदिु

- **अवलोकन:**
  - वर्ष 2030 तक वनों की कटाई को रोकने के लयि एक भी **वैश्वकि संकेतक ट्रैक पर नहीं है।**
  - वर्ष 2030 तक वनों की कटाई को पूरी तरह से रोकने के लयि इसमें 10% वार्षकि कटौती कयि जाने की आवश्यकता है।
  - जबकि वनीकरण और बहाली के प्रयास सराहनीय रहे हैं, **प्राप्ति की तुलना में अधकि वन क्षेत्र का नुक्सान हो रहा है।**
  - वर्ष 2021 में वैश्वकि वन हानि में कमी आई, **लेकनि वर्ष 2030 तक वनों की कटाई को रोकने का महत्त्वपूर्ण जलवायु लक्ष्य के अब भी पछिड़ने की आशंका है।**
- **वनों की कटाई में योगदानकर्त्ता:**
  - वर्ष 2021 में वनों की कटाई **में ब्राज़ील दुनयिा का सबसे बड़ा योगदानकर्त्ता था।**
    - आधार वर्ष 2018-2020 की तुलना में देश ने वर्ष 2021 में वनों की कटाई की दर में 3% की वृद्धि दर्ज की।
    - हालाँकि ब्राज़ील ने बड़ी वृद्धि नहीं दखिाई, **लेकनि प्रत्येक वर्ष इसकी कुल वनों की कटाई दर उच्च बनी रही, जसिसे यह दुनयिा का सबसे बड़ा योगदानकर्त्ता बन गया।**
  - बोलीवयिा और कांगो लोकतांत्रकि गणराज्य में **क्रमशः 6% और 3% वनों की कटाई हुई।**
- **वृक्षावरण में वृद्धि:**
  - पछिले दो दशकों में वैश्वकि वृक्ष आवरण में 130.9 मलियिन हेक्टेयर की वृद्धि हुई है।
  - वैश्वकि लाभ का तीन-चौथाई हसि्सा मुख्य रूप से 13 देशों ने प्राप्त कयिा।
  - सबसे महत्त्वपूर्ण सुधार **रूस (28.4%), कनाडा, संयुक्त राज्य अमेरकिा,** ब्राज़ील और चीन में देखे गए।
    - चीन ने वृक्षों के आवरण में सबसे बड़ी वृद्धि- 2.1 मलियिन हेक्टेयर (Mha) दर्ज की। भारत ने भी वृक्षों के आवरण में 0.87 एमएचए का लाभ दर्ज कयिा।
  - वशि्व स्तर पर कुल वृक्ष आवरण वृद्धि का 118.6 एमएचए **प्राकृतकि पुनर्जनन और वृक्षारोपण के साझे सहयोग** से होने की संभावना है।
- **वनों की कटाई में कमी:**
  - गैबॉन ने 2018-20 की तुलना में 2021 में वनों की कटाई में 28% की कमी की।
    - इस देश ने **अवैध कटाई और संरक्षति क्षेत्रों के प्रवर्तन** से नपिटने के उपायों को लागू कयिा।
  - **इंडोनेशयिा** ने **वन अधस्थिगन को लागू करने और प्रवर्तन उपायों में सुधार** के बाद वनों की कटाई को कम कयिा।

- यह अधिस्थगन, जो लगभग 66 मिलियन हेक्टेयर के प्राथमिक वन और पीटलैंड (स्थलीय आर्द्रभूमि पारिस्थितिक तंत्र) को कवर करता है, को पहली बार वर्ष 2011 में पेश किया गया था और **वनों की कटाई के कारण होने वाली आग से उत्सर्जन को कम करने के प्रयासों के तहत नियमित रूप से नवीनीकृत किया गया है।**
- ब्राज़ील में वर्ष 2004 और 2012 के बीच वनों की कटाई की दर में गिरावट के लिये आंशिक रूप से **अमेज़न में वनों की कटाई की रोकथाम एवं नियंत्रण हेतु कार्ययोजना के समन्वित कार्यान्वयन को** उत्तरदायी माना जा सकता है।
  - इससे संरक्षित क्षेत्रों और प्रभावी निगरानी प्रणालियों का निर्माण हुआ।
- हाल के वर्षों में वनों की रक्षा के लिये यूरोपीय संघ, इक्वाडोर और भारत में कानूनी हस्तक्षेप देखा गया है।
  - वर्ष 2021 में, इक्वाडोर की एक **संवैधानिक अदालत ने देश के संविधान में निहित प्रकृति के अधिकारों को बरकरार रखा।**

सिफारिश:

- यह ध्यान रखना आवश्यक है कि पेड़ कवर लाभ पेड़ के नुकसान को रद्द नहीं करता है।
- वन आवरण लाभ **कार्बन भंडारण, जैवविविधता या पारिस्थितिकी तंत्र** सेवाओं के संदर्भ में वन हानि के प्रभावों को नकारते नहीं हैं। सर्वोच्च प्राथमिकता वाले प्रयासों को प्राथमिक वनों को नुकसान से बचाने की दिशा में निर्देशित किया जाना चाहिये।
- **वर्ष 2030 तक वनों की कटाई को रोकने** और **रिवर्स करने के वैश्विक लक्ष्यों** को पूरा करने के लिये वन वित्त को ट्रैक पर लाने की आवश्यकता है।
  - वैश्विक स्तर पर वनों की रक्षा, पुनर्स्थापना और वृद्धि के लिये **प्रतिवर्ष 460 बिलियन अमेरिकी डॉलर** तक की लागत आएगी।
  - वर्तमान में वनों के लिये घरेलू और अंतर्राष्ट्रीय शमन वित्त प्रतिवर्ष औसतन 2.3 बिलियन अमेरिकी डॉलर है **आवश्यकता के 1% से भी कम।**
- वर्ष 2030 के लक्ष्यों को पूरा करने के लिये वन वित्तपोषण में **200 गुना तक की वृद्धि होनी चाहिये।**
- वन हमारी अर्थव्यवस्था की रीढ़ हैं और हमारी भलाई के लिये महत्त्वपूर्ण हैं। वनों की कटाई को रोकने तथा बहाली को बढ़ाने के लिये कार्रवाई एवं ठोस प्रयासों में तेज़ी लाना अब पहले से कहीं अधिक महत्त्वपूर्ण है ताकि लोगों, प्रकृति और जलवायु को लाभान्वित किया जा सके।
- इसका मतलब है कि अधिक ज़मीनी समावेशी समाधान, सार्वजनिक और निजी क्षेत्रों एवं नागरिक समाज के बीच मज़बूत सहयोग व समन्वय, प्रतिबद्धताओं से कार्यान्वयन की ओर बढ़ा जा सके।

निर्वनीकरण:

परिचय:

- निर्वनीकरण वन/जंगल के अलावा किसी अन्य कार्य हेतु स्थान (जगह) प्राप्त करने के लिये पेड़ों को स्थायी रूप से काटना/हटाना है। इसमें कृषि या चराई के लिये भूमि को साफ करना, या ईंधन, निर्माण या विनिर्माण के लिये लकड़ी का उपयोग करना शामिल हो सकता है।
- वर्तमान में सबसे अधिक वनों की कटाई उष्णकटिबंध क्षेत्र में हो रही है।

प्रभाव:

- उष्णकटिबंधीय क्षेत्रों में वनों की कटाई कैनोपी (canopy) पर जल वाष्प के उत्पादन के तरीके को भी प्रभावित कर सकती है, जिससे वर्षा कम होगी।
- वनों की कटाई न केवल उन वनस्पतियों को समाप्त करती है जो हवा से कार्बन डाइऑक्साइड को हटाने के लिये महत्त्वपूर्ण हैं, बल्कि जंगलों को समाप्त करने से ग्रीनहाउस गैस का उत्सर्जन होता है।
- यह जैवविविधता और पशु जीवन को भी नुकसान पहुँचाता है।

संबंधित भारत की पहल:

- **भारतीय वन नीति, 1952**
- **वन संरक्षण अधिनियम, 1980**
- **राष्ट्रीय वन नीति, 1988**
- **राष्ट्रीय वनरोपण कार्यक्रम**
- **वन्यजीव संरक्षण अधिनियम, 1972**
- **पर्यावरण संरक्षण अधिनियम, 1986**
- **जैवविविधता अधिनियम, 2002**
- **अनुसूचित जनजाति और अन्य पारंपरिक वन निवासी (वन अधिकारों की मान्यता) अधिनियम, 2006।**

UPSC सिविल सेवा परीक्षा विगत वर्ष के प्रश्न

प्रश्न. भारत में मृदा अपक्षय की समस्या निम्नलिखित में से किससे/किनसे संबंधित है/हैं?

1. वेदिका कृषि
2. वनोन्मूलन
3. उष्णकटिबंधीय जलवायु

नीचे दिये गए कूट का प्रयोग कर सही उत्तर चुनिये:

(a) केवल 1 और 2

(b) केवल 2
(c) केवल 1 और 3
(d) 1, 2 और 3

उत्तर: (b)

स्रोत: डाउन टू अर्थ

PDF Refernece URL: https://www.drishtiias.com/hindi/printpdf/2022-forest-declaration-assessment